वाह रे चोर!

गाँव में एक बुढ़िया रहती थी। उसको एक दिन खीर बनाते-बनाते नींद आ गई। उसके घर के पास से चोर गुज़र रहे थे। उन्हें खीर की खुशबू आई। खीर की खुशबू से चोरों के मुँह में पानी आ गया। उन्होंने खीर खाने की सोची और बुढ़िया के घर में घुस गए। उन्होंने देखा, रसोई में खीर रखी हुई है और बुढ़िया मुँह खोलकर सो रही है।

उन्होंने सोचा, बेचारी बुढ़िया भूखी है। पहले बुढ़िया को खीर खिलाते हैं, फिर हम खाएँगे। चोरों ने बुढ़िया के मुँह में खीर डाल दी। गरम खीर से बुढ़िया का मुँह जल गया और वह चिल्लाई...। चोर छिप गए। बुढ़िया के चिल्लाने से लोग आ गए। उन्होंने चोरों को पकड़ लिया।

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

HSSPP

Designed by www.stelladesignandprint.com